Vivek Kumar
M.S.J. College

← बुशमैन →

(A) **निवास क्षेत्र (Habitat)** → द० अफ्रिका के कालाहारी मरूभूमि में बुशमैन आखेटक, खाद्य संग्रह करने वाली खानाबदोश जाति का निवास क्षेत्र है। इनका बुशमैन नामकरण डचों ने 17 वी० शताब्दी में किया। इनका क्षेत्र सिमित और संख्या घटकर 10 हजार से भी कम हो गई है। 18°S से 24°S अक्षांशों के बीच 10 हजार वर्ग मील में बोत्सवाना लैंड में ओकावांगो नदी, नगामी झील, ड्डली झील से लिम्पोपो घाटियों तक भ्रमण करते हैं।

(B) **भौतिक पर्यावरण** → बालुका स्तूपों, प्लाया, salt pans से युक्त यह पठारी मरुस्थल है। उष्ण मरुस्थलीय जलवायु (BW), 30-33°C ग्रीष्म ताप, 20-22°C शीतकालिन ताप, 30-35°C दैनिक तापान्तर, 50-85 cm वर्षा, Bushman grasses, Xerophytes आदि अन्य विशेषताएँ हैं।

(C) **शारीरिक विशेषताएँ (Somatic features)** → आकार नेग्रीटो, मुँह नीग्रोइड या छोटा है पर उतना उभरा नहीं होता। औसत (154 cm) कद, छोटे हाथ-पैर, छोटे और चौकोर कान, अवतलाकृति पीठ, पीली त्वचा (xanthochroi), छल्लेदार ऊनी बाल, कम दाढ़ी-मूँछ, जड़ में धसी नाक, चौड़े नथुने, नासिका सूचकांक 100+, मध्यम सिर, सिर सूचकांक 77-82, कम कपाल क्षमता, उभरा ललाट, उभरे हुए गाल, "छोटा-त्रिकोन-सपाट चेहरा", A और O रक्त वर्ग, मंगोलायड-सी तिरछी आँख, फूला पलके, बड़े और झुर्रीदार पेट आदि विशेषताएँ हैं।

(D) **प्रजाति** → टी० हक्सले और हडन के अनुसार ये नीग्रोइड की उपजाति हैं पर ग्रीफिथ टेलर ने इन्हें मंगोलायड तथा आदि अल्पाइन प्रजाति कहा है।

(E) **झोपड़ी और आश्रय (Hut and Shelter)** → शिकार, जल, मौसमी फलों की खोज में भटकते रहते हैं। स्थाई घर नहीं होता। ये गुफा, छिछले गढ़ों, झोपड़ियों में रहते हैं। सामने आग जलाकर रात में सोते हैं ताकि ठंड, हिंसक जंतुओं से रक्षा हो। लकड़ी, पत्तों से स्त्रियाँ झोपड़ियाँ बनाती है। दरवाजा छोटा पर खुला होता है। चटाई या घास के गद्दों या खुली जमीन पर सोते हैं। झोपड़ी गुम्बदाकार होती है। इनके अस्थाई गाँव (Werf) में 8-10 झोपड़ियाँ (Scherms) होती हैं। पड़ाव का चुनाव वृद्ध करते हैं।

(F) **वस्त्र** → पुरुष चमड़े की लंगोट, चोंगा, खाल की चादर, टोपी चप्पल पहनते हैं। धूप, कीड़ों से रक्षार्थ शरीर पर चर्बी का लेप लगाकर धूल डाल लेते हैं। स्नान नहीं करते। औरतें

Scanned with CamScanner

Vishal

(5)

चमड़े के दो टुकड़ों को आगे-पीछे कमर में बाँधती हैं, जो घुटने तक लटकता है। उनका चोंगा (Kaross) तौलिया का काम भी करता है। शुतुर्मुर्ग के अंडों के आभूषण, घूँघरू तथा सुपारी-दाँत की माला, लोहे की अंगूठी पहनती हैं। बालों को परों से सजाती हैं।

(G) **शिकार (Hunting)** → दलदलों में पशुओं को फँसाते हैं। एन्टीलोप, जेब्रा, जिराफ, हाथी, गैंडा, दरियाई घोड़ा, हिरण, खरगोश, शुतुर्मुर्ग, बिलाव, हैना, गीदड़, चींटी, छिपकिली, मेंढक, मधुमक्खी, दीमक, रेंगनेवाले कीड़े आदि का शिकार करते हैं।

पिता अपने पुत्र, कुत्ते, विषैले तीर के साथ शिकार के लिए निकलता है। वे वेष बदलने, जानवरों की आवाज नकल करने में निपुण हैं। फंदों, जालों, बाणों, गढ्ढों को झाड़ी से ढककर, पेड़ों से विषैले तीर लटकाकर, जल-पात्रों को विषाक्त कर शिकार करते हैं। घायल शिकार के अन्य क्षेत्र में चले जाने पर मिला देना पड़ता है। ईच्छित शिकार की राख शरीर पर मलकर शिकार के लिए निकलते हैं। बड़े जन्तुओं का सामुहिक शिकार होता है तथा उन्हें बाँटकर खाते हैं। तीर या गैंडे से मछली पकड़ते हैं। चतुर शिकारी का आदर होता है।

(H) **भोजन (Food)** → मानव, पक्षी, मछली एवं स्त्रियों द्वारा एकत्र कंद-मूल (roots), फल, बेर, गाँठ (Tubers), शहद, कीड़े-मकौड़े, मेंढक, कछुआ, छिपकिली, चींटी, घुन, दीमक (Bushman rice), जूँ आदि खाते हैं। एक बुशमैन एकबार में आधी भेड़ खा जाता है। अभाव में भूखा रह जाते हैं। चमड़े के कपड़े भी खा जाते हैं। धूम्रपान भी करते हैं। स्त्रियाँ दलों में शुतुर्मुर्ग के अंडों या जानवर के आमाशय में दूर से जल लाती हैं। शुष्क काल के लिए जल-पात्रों को गाड़ देते हैं।

(I) **बर्तन और औजार (utensils and instruments)** → शुतुर्मुर्ग के अंडे का प्याला, अन्य बर्तन और आभूषण, लकड़ी का प्याला, तीर, कमान, अग्नि-दंड, भाला, बर्छी, शुष्क काल में बेंत द्वारा जमीन से जल चुसते हैं। हड्डी और स्नायु से भी धनुष प्रत्यंचा बनाते हैं। स्नायु से सिलाई करते हैं। सरकंडों के बाण की नोंक पर हड्डी, पत्थर या लोहा लगा होता है। पत्थर और हड्डी के चाकू, बर्छी, का उपयोग करते हैं।

Scanned with CamScanner

(ज) समाज एवं संस्कृति (Society and Culture) → प्रत्येक परिवार का आवास पृथक होता है। दल में सभी रक्त से संबंधित होते हैं। पुरुष प्रधान परिवार होता है। बहुपत्नी प्रथा है। विवाह दूसरी टुकड़ी में भी होता है। लड़का पक्ष वधू-मूल्य देता है। विवाह-भोज के समय दुल्हा दुल्हन को पकड़ता है। लोग उन्हें मारने जाते हैं। प्रहार सहता लड़का लड़की को पकड़ लेता है तो विवाह हो जाता है।

मुकदमा नहीं होता। अपराधी को घायल किया जाता है। जान से मारा नहीं जाता। धुआँ सीधा उठे तो उसे निर्दोष माना जाता है।

झोपड़ी-निर्माण, पशु, कंद-मूल, फल, ईंधन आदि एकत्र करने, बच्चा ढोने का काम औरतें करती हैं। ये परिश्रमी तीव्र दृष्टि एवं स्मृतिवाले होते हैं। प्रेत, देवता में आस्था है। शिकार के लिए टोना आदि करते हैं। चमड़ा, शुतुर्मुर्ग के अंडों के आभूषणों के बदले शस्त्र, खाद्य पदार्थ, आभूषण खरीदते हैं।

- Khoisan या click भाषा है। चित्र-कला प्रेमी हैं। गोरा नामक वाद्य यंत्र के साथ नाच-गान करते हैं।

इनके शरीर और संस्कृति पर मरुस्थलीय विषम परिस्थितियों की छाप है, क्योंकि —

"Man is a product of earth's surface. She has intered into his bones and tissues, into his mind and soul" —

Miss E. C. Semple.

Scanned with CamScanner

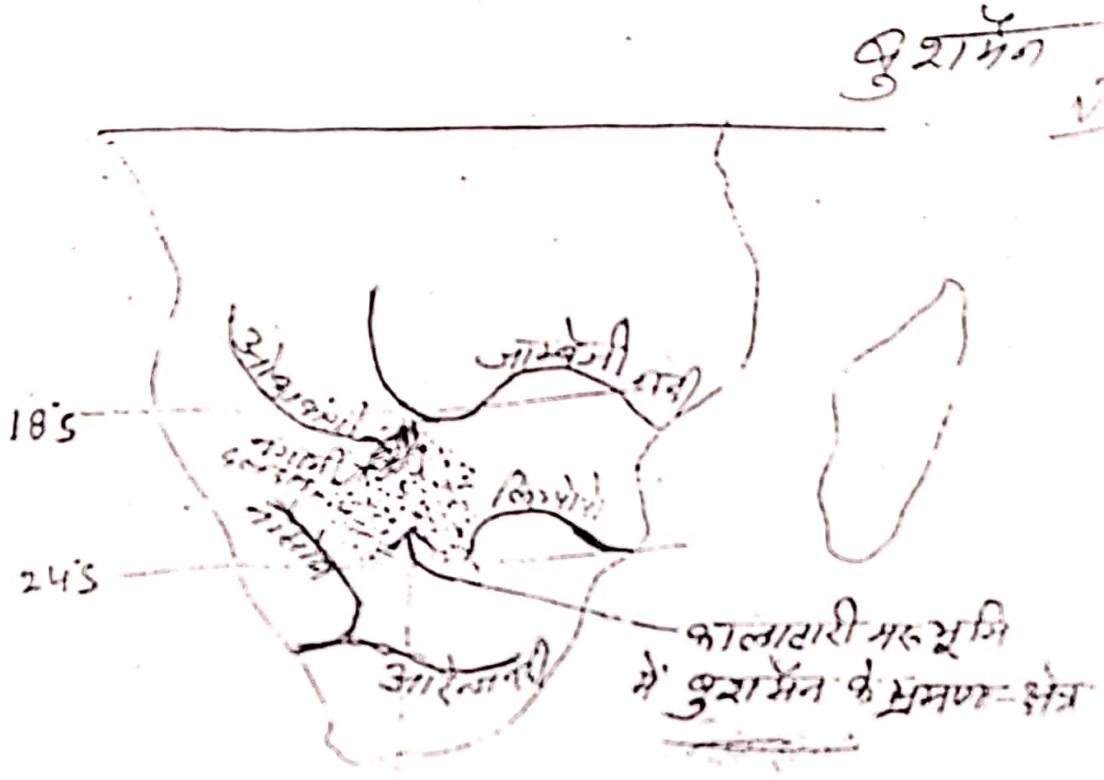

बुशमैन

कालाहारी मरुभूमि में बुशमैन के भ्रमण-क्षेत्र